Title : Regarding problems faced by weavers in Eastern Uttar Pradesh

श्री राजीव राय (घोसी) : उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा अपनी बुनाई उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है। सैकड़ों वर्षों से अधिक चली आ रही बारीक और जटिल बुनाई की विरासत है। इस क्षेत्र के अधिकांश लोग अपने जीविकोपार्जन के लिए बुनाई के पेशे से जुड़े हुए हैं। इस क्षेत्र में बुनकरों की स्थिति दयनीय है, और उनके लिए अपने जीवन यापन की आवश्यकताओं को पूरा करना भी मुश्किल हो गया है। पिछले 6 से 7 वर्षों में सरकारी नीतियों ने बुनकरों को किनारे पर ला दिया है। अत्यधिक और कठोर श्रम, पूंजी निवेश और विशेषज्ञता के बावजूद, बुनकरों को उनके कठिन परिश्रम के लिए अपर्याप्त प्रतिफल मिलता है। जीएसटी के लागू होने से बुनकर समुदाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। वे जीएसटी का भुगतान करते हैं, लेकिन उन्हें इसके बदले में पर्याप्त बुनियादी ढांचा और अन्य सरकारी समर्थन नहीं मिलता है। बिजली की आपूर्ति अत्यधिक अपर्याप्त और अत्यधिक अनियमित है। फ्लैट स्लैब दर की समाप्ति के साथ, कुछ बुनकरों का बिजली बिल लगभग दस गुना बढ़ गया है। मैं सरकार से आग्रह करता हूं वे पूर्वी उत्तर प्रदेश के बुनकर समुदाय की दुर्दशा पर ध्यान दें और उनकी कठिनाइयों और पीड़ाओं को कम करने के लिए उन्हें पर्याप्त सहायता और समर्थन प्रदान करें।